



## Home Science

Explore—Journal of Research for UG and PG Students

ISSN 2278 – 0297 (Print)

ISSN 2278 – 6414 (Online)

© Patna Women's College, Patna, India

<http://www.patnawomenscollege.in/journal>

### जन वितरण प्रणाली के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता से संबंधित एक अध्ययन

साजदा परवीन • प्रनीता राय • अमृता प्रियदर्शिनी

• कुमारी रूपम

Received : December 2010

Accepted : February 2011

Corresponding Author : Kumari Rupam

**Abstract :** प्रस्तुत अध्ययन फुलवारी शरीफ प्रखण्ड के जन-वितरण प्रणाली के विभिन्न दुकानों के 150 उपभोक्ताओं पर आकस्मिक-सह-उद्देश्यपूर्ण तरीके से किया गया। इन दुकानों का चुनाव दैव निदर्शन प्रणाली द्वारा किया गया। अध्ययन का उद्देश्य था : (1) जन वितरण प्रणाली की व्यवस्था के प्रति आम जनता की जानकारी के स्तर का पता लगाना, (2) जन वितरण प्रणाली की सफलता में विभिन्न प्रकार के अवरोधक तत्वों का पता लगाना तथा (3) कल्याणकारी राज्य की स्थापना में जन वितरण प्रणाली की भूमिका का अध्ययन करना। अध्ययन के उद्देश्य पूर्ति के लिए

यह परिकल्पना बनाई गई (1) मध्यम तथा निम्न आयवर्गीय जनता जन वितरण प्रणाली के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रति जागरूक होंगे, (2) मध्यम तथा निम्न आय वर्गीय जनता जन वितरण प्रणाली के विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ उठा रही होंगी तथा (3) बिहार में राशन दुकानों द्वारा खाद्यान्न के उपभोग की मात्रा 5% से भी कम की आपूर्ति की जाती होगी। आंकड़ा प्राप्ति हेतु *Personal Data Sheet* एवं साक्षात्कार अनुसूची विधि का उपयोग चयनित उपभोक्ताओं पर किया गया एवं प्राप्त *Data* का विश्लेषण ग्राफीय विधि तथा प्रतिशत गणना के आधार पर किया गया। प्राप्त परिणाम के आधार पर स्पष्ट हुआ कि कई पंचायतों के उपभोक्ताओं में ए० पी० एल०, बी० पी० एल० तथा अंत्योदय योजना के प्रति जागरूकता 75% से 100% पाई गई, जबकि कुछ पंचायत में इन योजनाओं की जानकारी लगभग 50% से भी कम लोगों को थी। कई पंचायत में अंत्योदय योजना की जानकारी 20% लोगों में तथा अन्नपूर्णा योजना की जानकारी का अभाव पाया गया। प्राप्त परिणाम एवं सांख्यिकीय गणना के आधार पर परिकल्पनाओं को समर्थन प्राप्त हुआ। उपर्युक्त निष्कर्ष के आलोक में यह सुझाव दिया गया कि कार्ड वितरण में सही मापन प्रणाली होनी चाहिए, जिन क्षेत्रों में जागरूकता का स्तर निम्न है उन क्षेत्रों में जागरूकता का स्तर बढ़ाना चाहिए।

**शब्द कुंजी:** जनवितरण प्रणाली, बी०पी०एल०, ए०पी०एल० ।